उन्हें ये मशीनें लगाने की सलाह दी गई है। नई मिलें खोलने अथवा पुरानी में विस्तार करने के लाइसेंस केवल इसी शर्त पर दिये जाते हैं कि उनमें रेशे और छिलके साफ करने की मशीनें लगाई जायेंगी।

बिनौले के तेल उद्योग की समस्याओं पर विचार करने के लिये एक समिति स्थापित की गई है जो कि आधुनिक ढंग पर इसके शीघ्र विकास के लिये सुझाव भी देगी।

तामचीनी के बर्तन

६३०. **श्री रा० रा० मिश्र** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तामचीनी के बर्तन कितने कारखाने तैयार कर रहे हैं ;

(ख) इन कारखानों का कुल उत्पादन कितना है ;

(ग) १९५६ में इन बर्तनों का कितना निर्यात हुआ और वे किन किन देशों को भेजे गये ; और

(घ) इनका निर्यात बढ़ाने के लिये सरकार क्या कर रही है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) २२ कारखाने।

(ख) १९५६—१५२.१ लाख बर्तन।
१९५७ (जनवरी से सितम्बर) ११२.४ लाख बर्तन।

(ग) १९५६ में हुये इनके निर्यात का विवरण उपलब्ध नहीं है क्योंकि जनवरी १९५७ से पहले समुद्र मार्ग से हुये व्यापार-विवरण में इनका अलग से उल्लेख नहीं किया गया था।

(घ) तामचीनी के बर्तन बनाने में प्रयोग होने वाले आयातित कच्चे माल पर लिया गया शुल्क लौटाने की एक योजना सरकार के विचाराधीन है।

उत्पादन समितियां

६३२. **पंडित कृ० चं० शर्मा** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) द्विदलीय आधार पर बनाई गई विभागीय उत्पादन समितियों ने कौन कौन से रचनात्मक सुझाव दिये हैं ;

(ख) उनके परिणामस्वरूप कार्यक्षमता में कितनी उन्नति हुई है और कच्चे माल तथा मशीनों के ठीक प्रयोग में कहां तक सहायता मिली है ; और

(ग) किन किन कारखानों में अब तक यह उत्पादन समितियां स्थापित की गई हैं ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) से (ग). विभागीय उत्पादन समितियां श्रमिकों को प्रबन्ध में शामिल करने सम्बन्धी बड़ी योजना के अन्तर्गत हैं। इस योजना को लगभग ५० कारखानों इत्यादि में परीक्षण के रूप में चालू करने का विचार है। इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही जारी है।

तीन कारखानों, यानी (१) टाटा आइरन एण्ड स्टील कंपनी, जमशेदपुर, (२) इंडियन अलुमिनियम कंपनी, लि० बेलूर, और (३) मोदी स्पिनिंग एण्ड विविंग कंपनी लि०, मोदीनगर, ने श्रमिकों को प्रबन्ध में शामिल करने के लिये हाल ही में उत्पादन समितियां बनाई हैं। अभी नतीजे के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता।

लकड़ी का गूदा

६३३. **श्री वाल्मीकी** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नेपा मिल में लकड़ी का गूदा बनाने के काम में अब तक क्या प्रगति हुई है ;